⊛ थार मरूस्थल (Thar Desert) :- भारत के 4 राज्यों राजस्थान (सर्वाधिक), गुजरात, पंजाब व हरियाणा में विस्तृत है

- टैथिस सागर का अवशेष माना जाता है।
- निर्माण - होलोसीन काल में
- पूर्वी सीमा अरावली अथवा 50 cm समवर्षा रेखा द्वारा निर्धारित होती है।
- 25 cm समवर्षा रेखा इसे शुष्क व अर्द्धशुष्क मरूस्थल में विभाजित करती है।

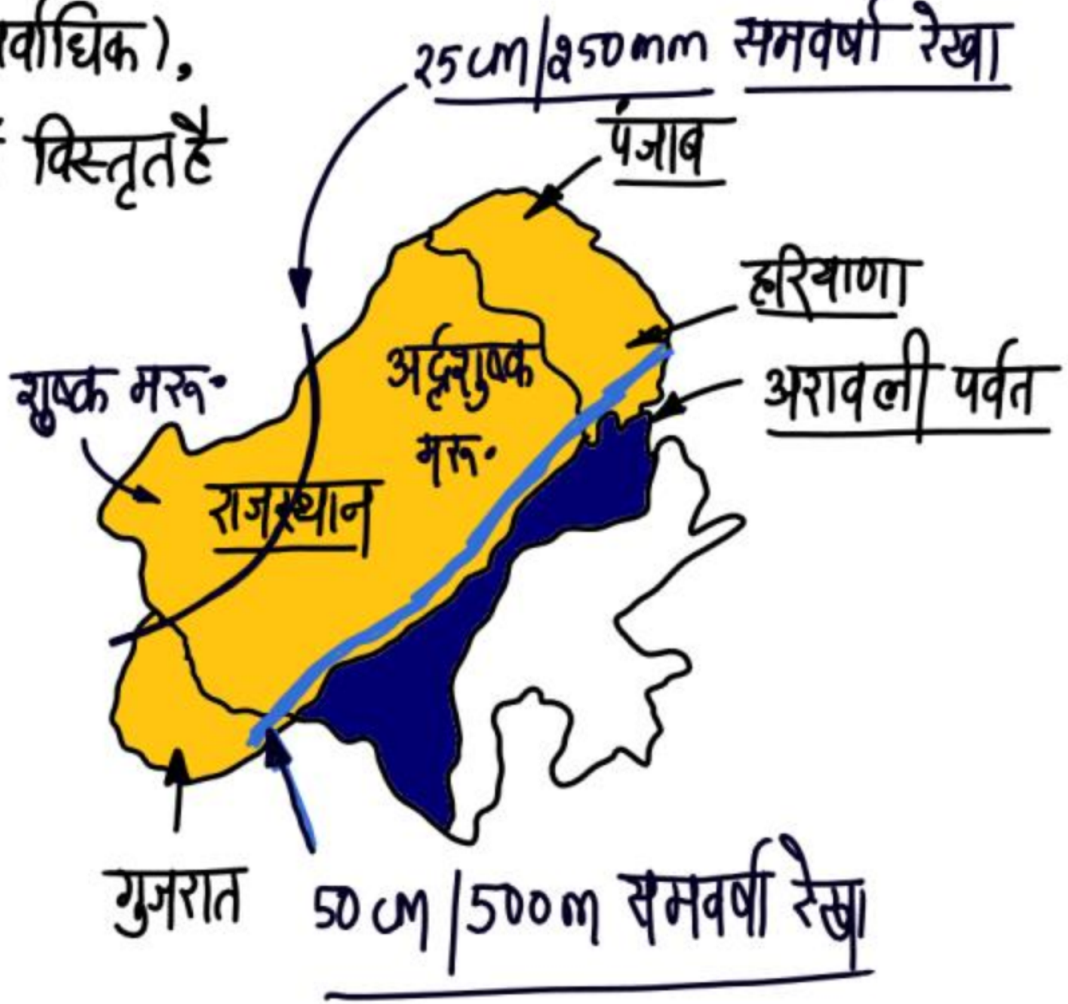

→ पाकिस्तान में भी इसका विस्तार पाया जाता है, जिसे चोलिस्तान का मरूस्थल कहा जाता है।

→ यह विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व तथा सर्वाधिक जैव विविधता वाला मरू॰ है।

→ यहां अनेकों खारे जल की झीलें मिलती हैं, जिनमें डीडवाणा, लूणकरणसर, पंचपदरा प्रसिद्ध हैं। ये झीलें नमक उत्पादन के लिए जानी जाती है।

Note :- सांभर झील चारों ओर से अरावली पहाड़ियों से घिरी है, जो एक बॉलसन का उदाहरण है।

→ सांभर भारत की सबसे बड़ी नमक उत्पादक झील है तथा यह भारत की सबसे बड़ी खारे जल की अंत: स्थलीय या भू-आबद्ध या भू-आवेष्ठित या Land Locked झील भी है।

- लूणी नदी थार मरूस्थल से प्रवाहित होती है जिसे ही मरूस्थल की गंगा कही जाती है तथा थार मरू. से प्रवाहित लूणी सबसे लंबी नदी है।
- यहां सेवणं घास मिलती है तथा थार मरू. में जीरोफाइट/मरूद्भिद् वनस्पतियां प्राप्त होती है।
- यहां रेत में पीवणां सर्प मिलता है जो एक जहरीला सर्प है।
- बालूका स्तूप - बरखान, सीफ, धरियान, सब्र काफिज

धरियान → स्थानान्तरित बालूका स्तूप

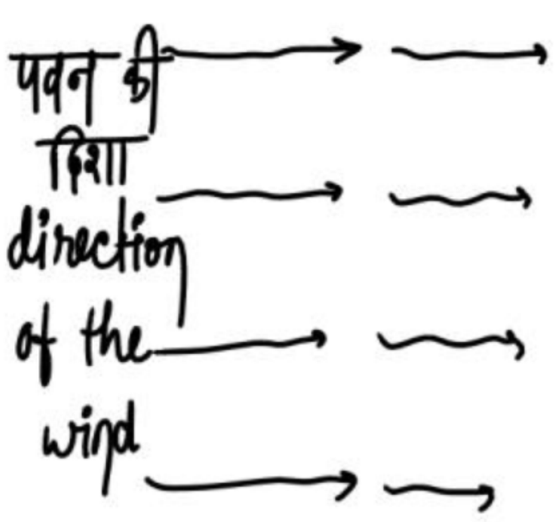

बरखान → अत्यधिक क्रियाशील प्रकृति के बालुका स्तूप ; पवन की दिशा में 2 शृंग बनते हैं।

→ पवनाभिमुखी ढ़ाल उत्तल व पवनविमुखी ढ़ाल अवतल होता है।

सीफ | सीप — पवन की दिशा में परिवर्तन से जब बरखान की एक भुजा कट जाती है।

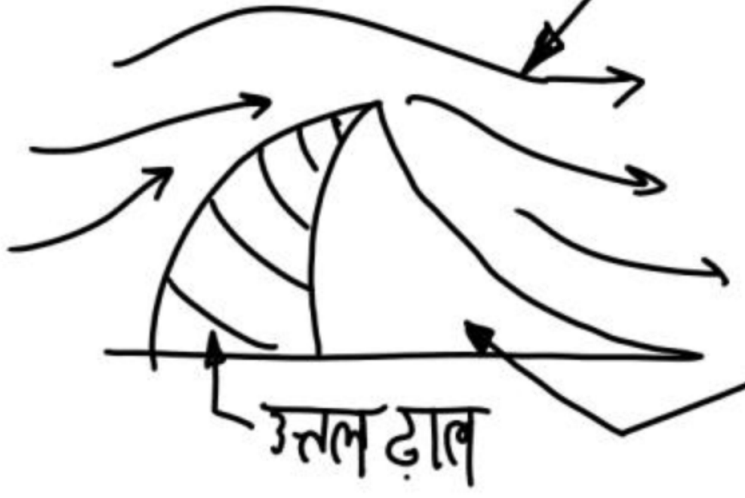

Green Wall of India

- यह 1400 km लंबी व 5 km चौड़ी वृक्षों की एक पट्टी तैयार की जायेगी जिसे बनाए जाने का उद्देश्य है कि थार के पूर्वी विस्तार को रोका जा सके।

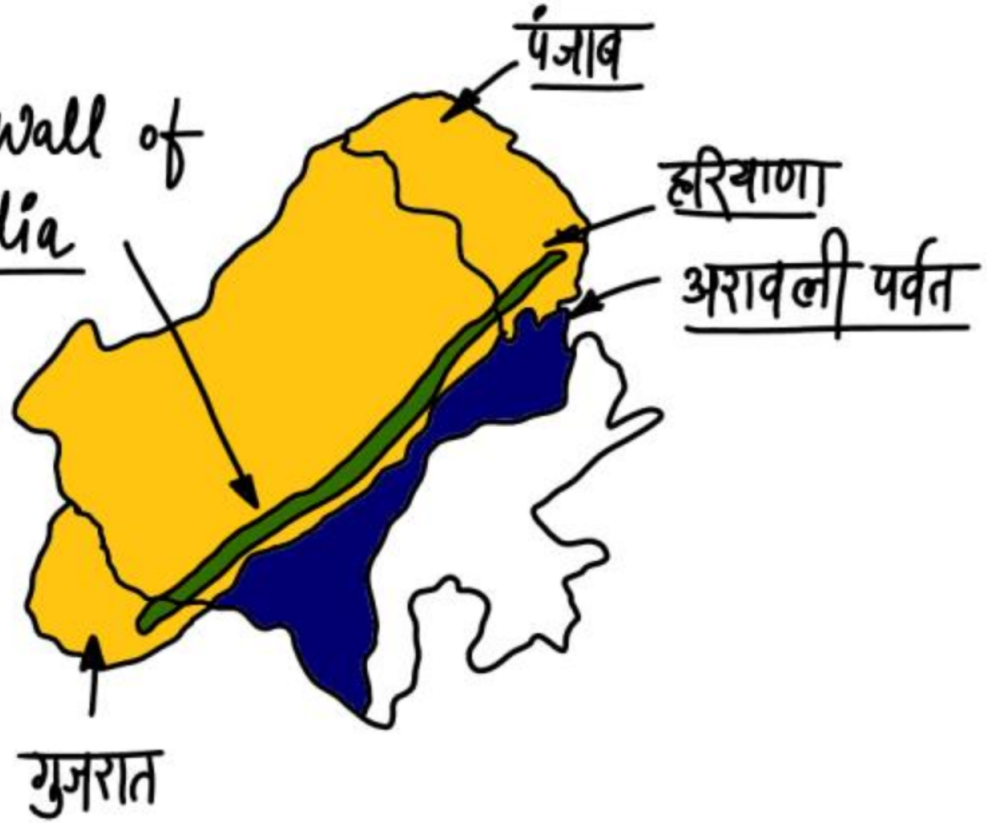

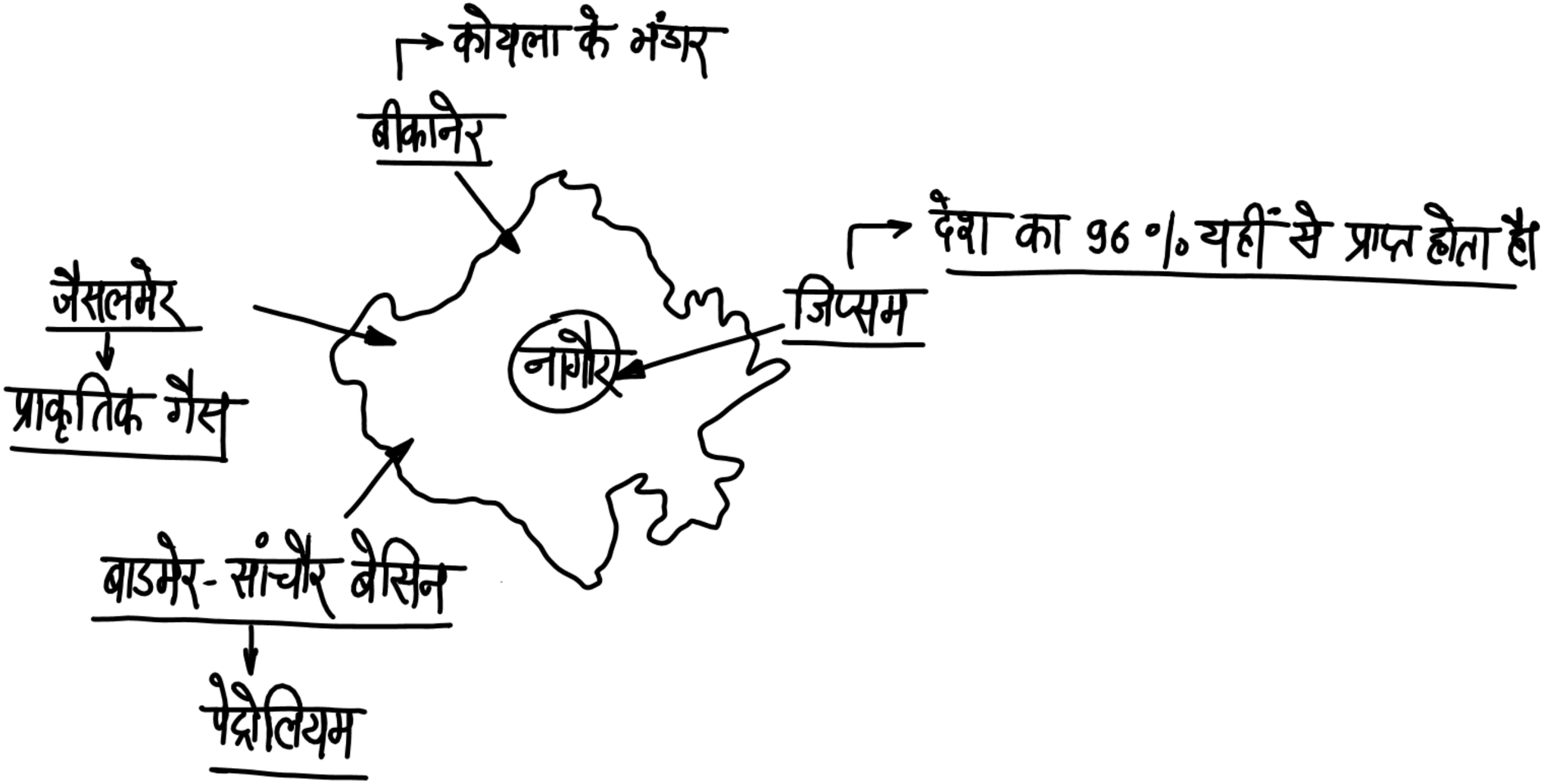
कोयला के भंडार
बीकानेर
जैसलमेर
प्राकृतिक गैस
बाड़मेर - सांचौर बेसिन
पेट्रोलियम
नागौर
जिप्सम
देश का 96 % यहीं से प्राप्त होता है

तटीय मैदानी प्रदेश (Coastal Plain Region) ⟶ इनका विकास अपरदन व निक्षेपण की प्रक्रिया के परिणामस्वरूप हुआ है। जहाँ पश्चिमी तटीय मैदान अपरदन की क्रिया से अधिक प्रभावित हैं, वहीं पूर्वी तटीय मैदान निक्षेपण क्रिया से प्रभावित हैं। यह अपरदनात्मक व निक्षेपणात्मक क्रिया सागरीय लहरों तथा नदियों द्वारा सम्पन्न की जाती हैं।

तटीय मैदानी प्रदेश

① पश्चिमी तटीय मैदान

- इस पर नदियाँ एश्च्यूरी या ज्वारनदमुख का निर्माण करती हैं।
- कुल लंबाई 1600KM व औसत ऊंचाई 150 मी है।
- चौड़ाई 50 से 100km है जबकि औसत चौड़ाई 64 KM है।
- इसकी न्यूनतम चौड़ाई कर्नाटक राज्य में है।

② पूर्वी तटीय मैदान

- इस पर नदियाँ डेल्टा का निर्माण करती हैं।
- इनकी कुल लंबाई 1100KM व चौड़ाई 100 से 150 KM है।

Question:- कथन (A): पूर्वी तटीय भागों की तुलना में अच्छे बंदरगाहों का विकास पश्चिमी तट पर हुआ है।

कारण (R): पूर्वी तटीय भागों में डेल्टा का विकास हुआ है, जिससे तट के सहारे जल की गहराई कम मिलती है।

Answer: A व R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या भी करता है।

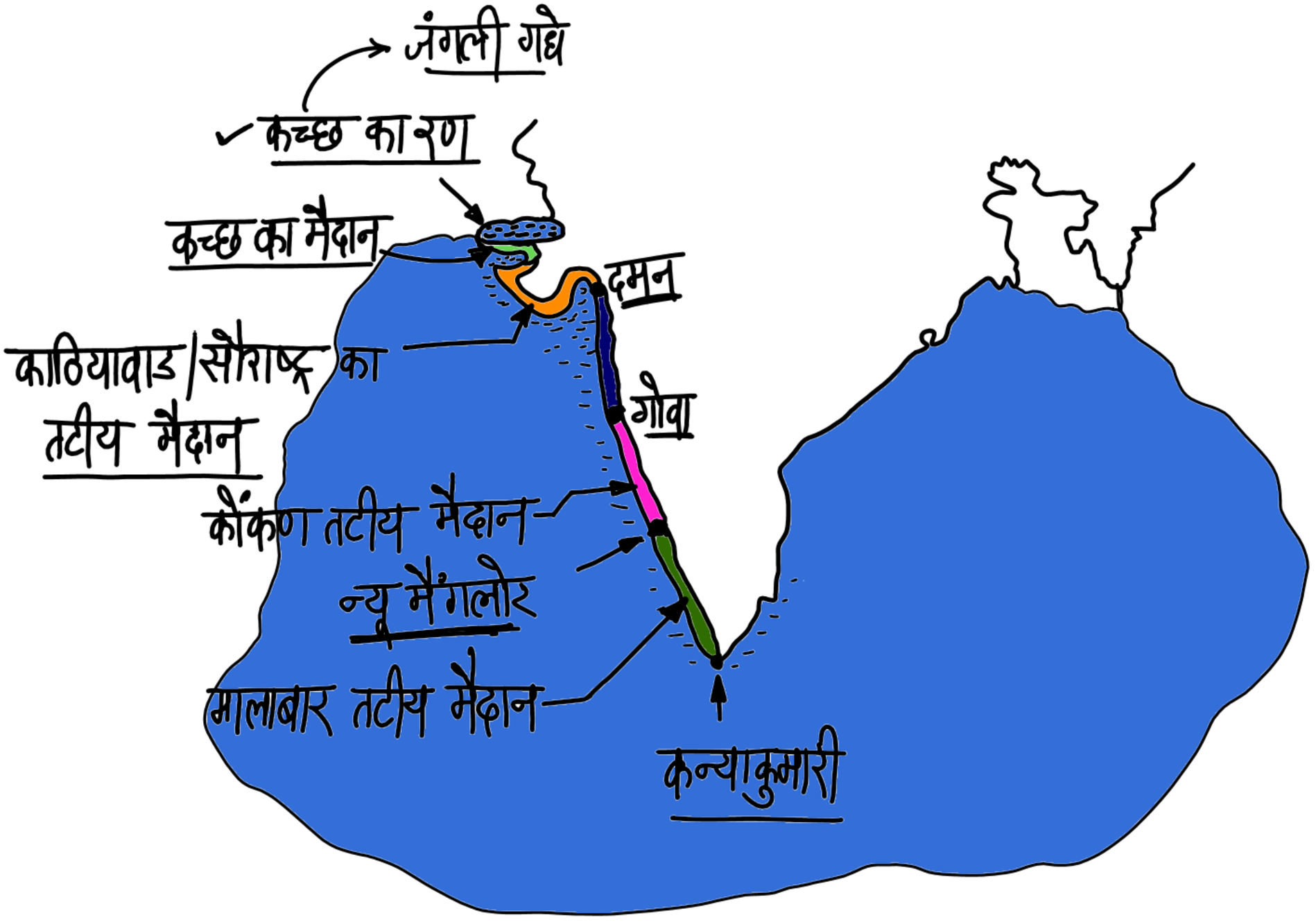
जंगली गधे
कच्छ का रण
कच्छ का मैदान
दमन
काठियावाड/सौराष्ट्र का तटीय मैदान
गोवा
कौंकण तटीय मैदान
न्यू मैंगलोर
मालाबार तटीय मैदान
कन्याकुमारी

① पश्चिमी तटीय मैदान :- यहां नदियां एश्च्यूरी बनाती हैं।

या ज्वारनदमुख

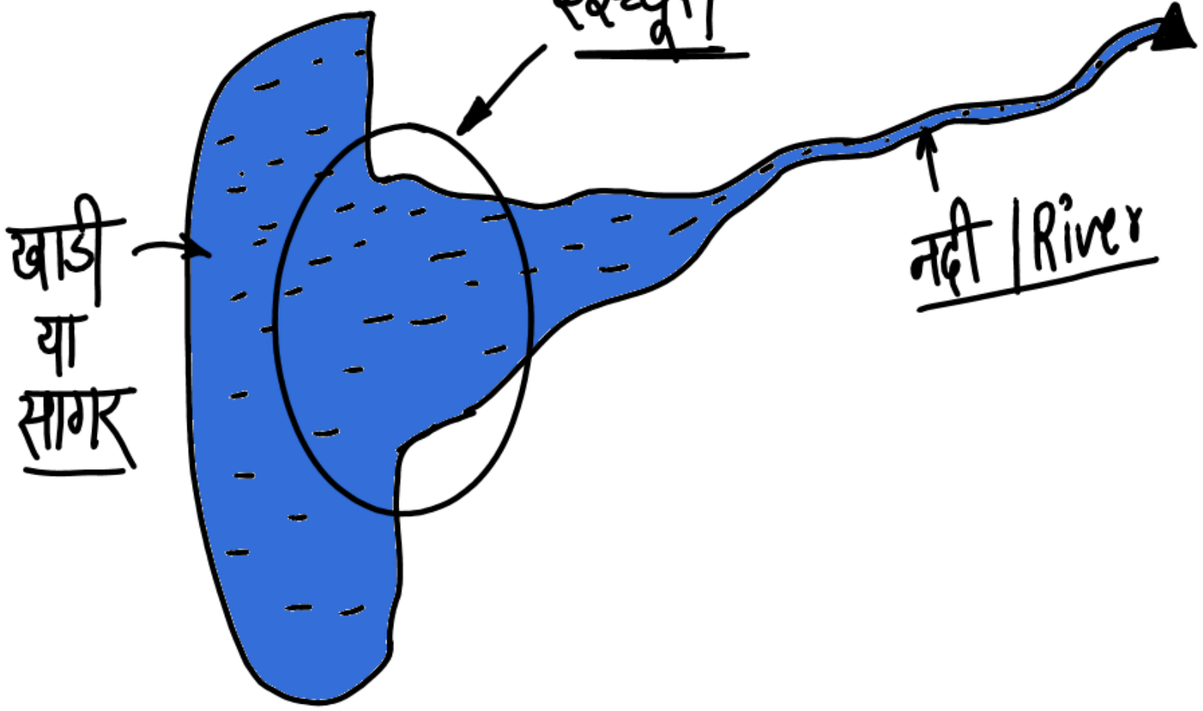

Why?

- छोटा नदी मार्ग
- तीव्र वेग की नदियां
- अवसाद की कमी
- कठोर तल पर प्रवाह
- ज्वारीय गतिविधियां

कच्छ का रण :- इसमें लूणी व मोरबी नदियाँ अपना जल विसर्जित करती हैं

(Runn of Kutch)

- गुजरात के उत्तरी-पश्चिमी भाग में फैला है, जो एक लवणीय व दलदली क्षेत्र है।
- यह अत्यधिक भूकम्प प्रभावित क्षेत्र भी है।
- इसे श्वेत मरूस्थल भी कहा जाता है।

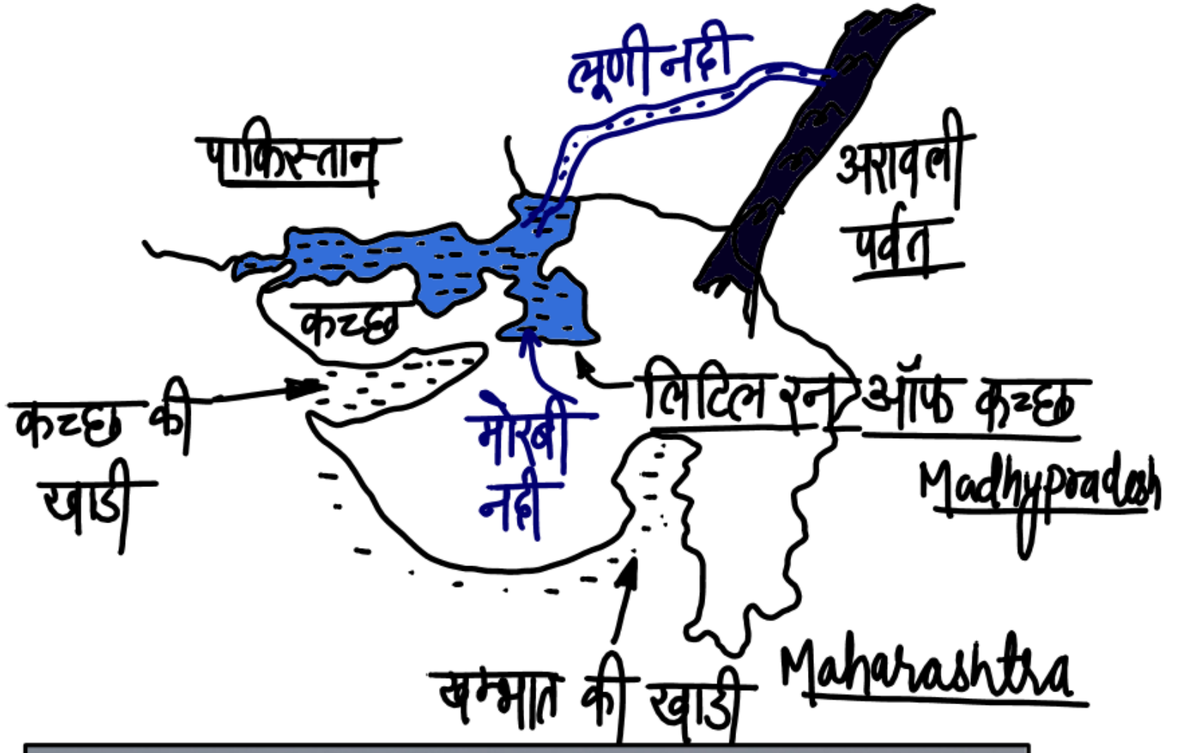

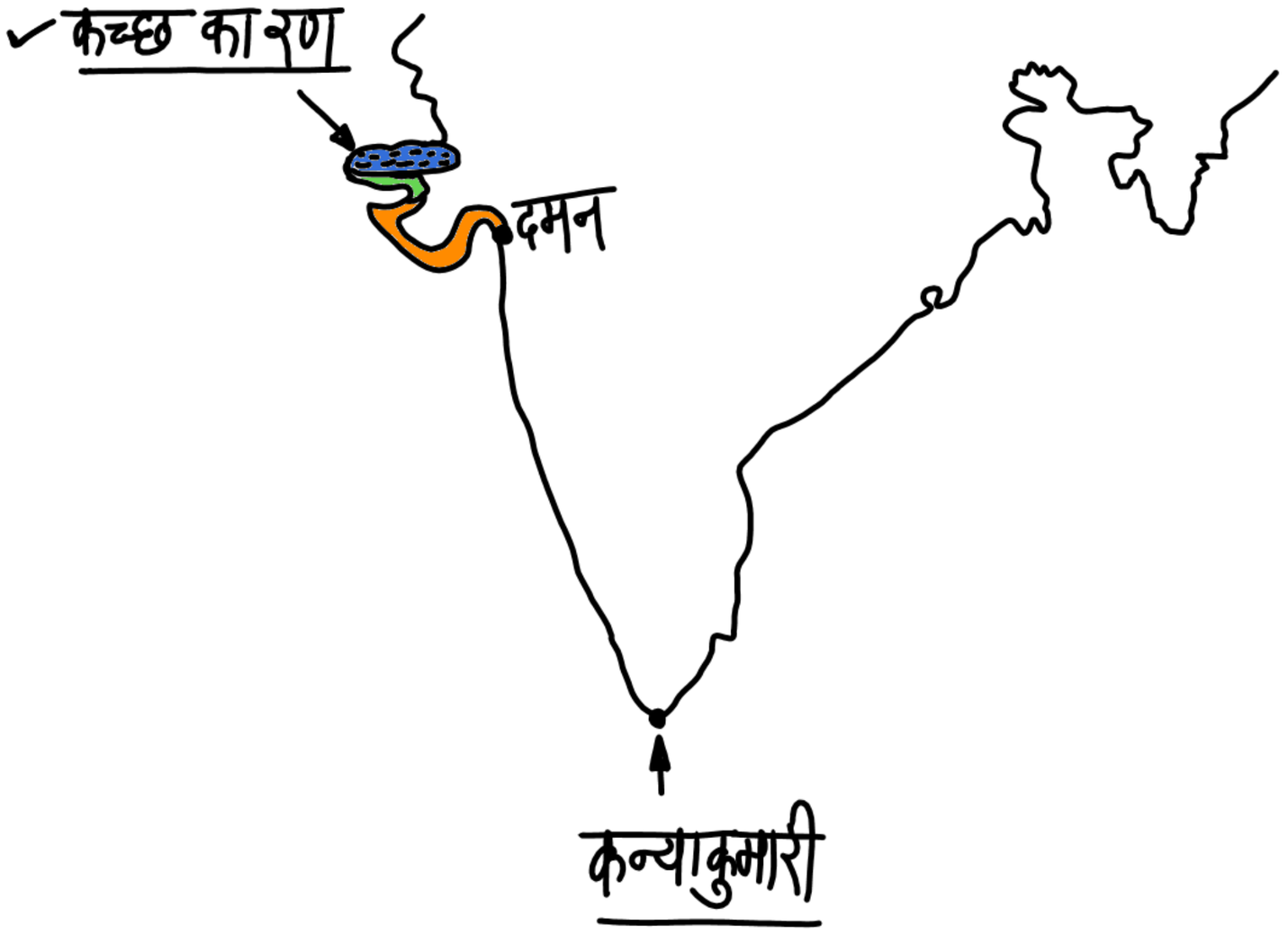
कच्छ का रण
दमन
कन्याकुमारी